Class XII Session 2025-26
Subject - Hindi Core
Sample Question Paper - 8

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-
- यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।
- खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड - ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड - ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क (अपठित बोध)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (10)** **[10]**

दबाव में काम करना व्यक्ति के लिए अच्छा है या नहीं, इस बात पर प्रायः बहस होती है। कहा जाता है कि व्यक्ति अत्यधिक दबाव में नकारात्मक भावों को अपने ऊपर हावी कर लेता है, जिससे उसे अक्सर कार्य में असफलता प्राप्त होती है। वह अपना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी खो बैठता है। दबाव को यदि ताक़त बना लिया जाए, तो न सिर्फ सफलता प्राप्त होती है, बल्कि व्यक्ति कामयाबी के नए मापदंड रचता है। ऐसे बहुत सारे उदाहरण हैं जब लोगों ने अपने काम के दबाव को अवरोध नहीं, बल्कि ताक़त बना लिया। 'सुख-दुख, सफलता-असफलता, शान्ति-क्रोध और क्रिया-कर्म हमारे दृष्टिकोण पर ही निर्भर करता है।' जोस सिल्वा इस बात से सहमत होते हुए अपनी पुस्तक 'यू द हीलर' में लिखते हैं। कि मन-मस्तिष्क को चलाता है और मस्तिष्क शरीर को। इस तरह शरीर मन के आदेश का पालन करता हुआ काम करता है।

दबाव में व्यक्ति यदि सकारात्मक होकर काम करे, तो वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब होता है। दबाव के समय मौजूद समस्या पर ध्यान केंद्रित करने और बोझ महसूस करने की बजाय यदि यह सोचा जाए कि हम अत्यंत सौभाग्यशाली हैं, जो एक कठिन चुनौती को पूरा करने के लिए तत्पर हैं, तो हमारी बेहतरीन क्षमताएँ स्वयं जागृत हो उठती हैं। हमारा दिमाग़ जिस चीज़ पर भी अपना ध्यान केंद्रित करने लगता है, वह हमें बढ़ती प्रतीत होती है। यदि हम अपनी समस्याओं के बारे में सोचेंगे, तो वे और बड़ी होती महसूस होंगी। अगर अपनी शक्तियों पर ध्यान केंद्रित करेंगे, तो वे भी बड़ी महसूस होंगी। इस बात को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि जीतना एक आदत है, पर अफ़सोस ! हारना भी आदत ही है।

(i) **दबाव में काम करते समय किस चीज़ पर ध्यान केंद्रित करने से व्यक्ति अपनी बेहतरीन क्षमताओं को जागृत कर सकता है? (1)**

क) समस्याओं पर

ख) दबाव पर

ग) बोझ पर

घ) चुनौती को पूरा करने पर

(ii) **जोस सिल्वा की पुस्तक का नाम क्या है? (1)**

क) 'यू द हीलर'

ख) 'द पावर ऑफ माइंड'

ग) 'माइंड कंट्रोल'

घ) 'सक्सेस मंत्रा'

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - (1)

कथन (I) : दबाव में व्यक्ति असफल ही होता है और उसका स्वास्थ्य प्रभावित होता है।

कथन (II) : दबाव को ताक़त में बदलने पर व्यक्ति सफलता प्राप्त कर सकता है।

कथन (III) : सकारात्मक दृष्टिकोण से दबाव में भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जा सकता है।

कथन (IV) : मन का दृष्टिकोण व्यक्ति के सुख-दुख, सफलता-असफलता पर असर डालता है।

गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही हैं?

क) केवल कथन (II), (III) और (IV) सही हैं।

ख) केवल कथन (I) और (IV) सही हैं।

ग) केवल कथन (I), (II) और (III) सही हैं।

घ) केवल कथन (II) और (IV) सही हैं।

(iv) दबाव में व्यक्ति नकारात्मक होकर क्या खो देता है? (1)

(v) दबाव को ताक़त बनाने के लिए व्यक्ति को किस दृष्टिकोण को अपनाना चाहिए? (2)

(vi) जोस सिल्वा के अनुसार मन-मस्तिष्क और शरीर के बीच क्या संबंध है? (2)

(vii) दबाव में सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को अपने दिमाग़ को कैसे संचालित करना चाहिए? (2)

2. **निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (8)** **[8]**

धर्माधिराज का ज्येष्ठ बनूँ?
भारत में सबसे श्रेष्ठ बनूँ?
कुल की पोशाक पहन करके,
सिर उठा चलूँ कुछ तन करके?
इस झूठमूठ में रखा क्या है।
केशव ! यह सुयश, सुयश क्या है !
विक्रमी पुरुष, लेकिन सिर पर
चलता ने छत्र पुरखों का धर।
अपना बल तेज जगाता है,
सम्मान जगत से पाता है।
सब उसे देख ललचाते हैं।
कुल गोत्र नहीं साधन मेरा,
पुरुषार्थ एक बस धन मेरा,
कुल ने तो मुझको फेंक दिया।
मैंने हिम्मत से काम लिया।
अब वंश चकित भरमाया है,
खुद मुझे ढूँढने आया है।
जिस नर की बाँह गही मैंने।
जिस तक की छाँह गही मैंने
जीते जी उसे बचाऊँगा।
या आप स्वयं कर जाऊँगा।

i. **काव्यांश में व्यक्त विचार के आधार पर सही कथन का चयन कीजिए: (1)**

I. कवि पुरुषार्थ को सबसे बड़ा साधन मानता है।

II. कवि कुल गोत्र पर आधारित जीवन को महत्वहीन मानता है।

III. कवि पुरखों के गौरव को अपने जीवन का आधार मानता है।

IV. कवि अपने प्रयासों से समाज में सम्मान प्राप्त करता है।

विकल्प:

क) कथन I और II सही हैं।

ख) कथन I, II और IV सही हैं।

ग) केवल कथन III सही है।

घ) कथन I, III और IV सही हैं।

ii. **'पुरुषार्थ एक बस धन मेरा' पंक्ति में 'पुरुषार्थ' का क्या अर्थ है? (1)**

क) शक्ति और संपत्ति

ख) परिश्रम और साहस

ग) ज्ञान और बुद्धिमत्ता

घ) सामाजिक प्रतिष्ठा

iii. **नीचे दिए गए कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए: (1)**

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. पुरुषार्थ का महत्व	1 - केवल अपना बल तेज।
II. कुल गोत्र पर कवि का दृष्टिकोण	2 - साधन नहीं मानता।
III. कवि का सम्मान पाने का तरीका	3 - हिम्मत और प्रयास।

विकल्प:

क) I - (1), II - (2), III - (3)

ख) I - (2), II - (1), III - (3)

ग) I - (3), II - (2), III - (1)

घ) I - (3), II - (2), III - (1)

iv. **कर्ण ने पांडव-कुलकी श्रेष्ठता को क्यों ठुकराया? (1)**

v. **कर्ण किसे बचाने का संकल्प कर रहा है और क्यों? (2)**

vi. **'जिस नर की बाँह गही मैंने, जिस तक की छाँह गही मैंने' का क्या तात्पर्य है? (2)**

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. **दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।** **[6]**

   i. **खेतों में तैयार फसल का अचानक बाढ़ में बह जाना** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

   ii. **देश का विकास** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

   iii. **आज की छोटी बचत कल का बड़ा सुख** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)** **[8]**

   i. आजादी के बाद के प्रमुख हिंदी पत्रकारों के नाम बताइए। **[2]**

   ii. संपादकीय से आप क्या समझते हैं? संपादकीय लिखने में किसी का नाम क्यों नहीं छापा जाता? **[2]**

   iii. नाटक में चरित्रों का विकास कैसे किया जाना चाहिए? **[2]**

   iv. सिल और स्लेट का उदाहरण देकर कवि **शमशेर बहादुर सिंह** ने आकाश के रंग के बारे क्या कहा है? **[2]**

   v. **बाज़ारूपन** से क्या तात्पर्य है? किस प्रकार के व्यक्ति बाज़ार को सार्थकता प्रदान करते हैं अथवा बाज़ार की सार्थकता किसमें है? **[2]**

5. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (4 X 2 = 8)** **[8]**

   i. किसी समाचार पत्र को कब सम्पूर्ण माना जाता है? **[4]**

   ii. फ़ीचर लेखन का विषय किस प्रकार का होता है? एक अच्छे और रोचक फीचर के साथ क्या होना ज़रूरी होता है? **[4]**

   iii. संस्कृत साहित्य में शिरीष की महिमा का उल्लेख किस प्रकार किया गया है? **[4]**

खंड- ग (आरोह भाग - 2 एवं वितान भाग-2 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

छतों के खतरनाक किनारों तक-
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत
पतंगों की धड़कती उँचाइयाँ उन्हें थाम लेती हैं महज
एक धागे के सहारे
पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं
अपने रंध्रों के सहारे

i. पतंग उड़ाते हुए बच्चे कहाँ से गिर जाते हैं?

क) साइकिल से — ख) छतों से
ग) सड़क से — घ) झूले से

ii. बच्चे गिरने तथा बच जाने के बाद कैसे बन जाते हैं?

क) ईर्ष्यालु — ख) डरपोक
ग) निडर — घ) सहनशील

iii. **बेचैन पैरो** के माध्यम से क्या अभिव्यक्त किया गया है?

क) उड़ न पाने की असमर्थता — ख) अकेले रह जाने का भाव
ग) पैरों की गतिशीलता — घ) जीवन की निराशा

iv. स्वर्णिम प्रकाश वाले सूर्य के सम्मुख कौन आता है?

क) स्वयं कवि — ख) आकाश
ग) निडर बच्चे — घ) धरती

v. प्रस्तुत काव्यांश के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

क) बच्चे अपने आगे किसी की नहीं सुनते — ख) बच्चे आवेग में आकर गलत निर्णय ले लेते हैं
ग) बच्चों की क्रियाशीलता एवं उत्साह की कोई सीमा नहीं होती — घ) बच्चों में सहनशीलता की कमी होती है

7. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

i. **बीज गल गया** निःशेष' से क्या तात्पर्य है? **[3]**

ii. **किसबी, किसान-कुल** छंद के आधार पर बताइए कि पेट की आग की विशालता और भयावहता को तुलसीदास ने कैसे प्रस्तुत किया है? **[3]**

iii. आधुनिक युग में कविता की संभावनाओं पर चर्चा कीजिए? **[3]**

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

i. हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों में तुलसी, जायसी, मतिराम, द्विजदेव, मैथिलीशरण गुप्त आदि कवियों ने भी शरद ऋतु का सुंदर वर्णन किया है। आप उन्हें तलाश कर कक्षा में सुनाएँ और चर्चा करें कि पतंग कविता में शरद ऋतु वर्णन उनसे किस प्रकार भिन्न हैं? **[2]**

ii. यदि आप इस कार्यक्रम के दर्शक हैं, तो टी.वी. पर ऐसे सामाजिक कार्यक्रम को देखकर एक पत्र में अपनी प्रतिक्रिया दूरदर्शन निदेशक को भेजें। **[2]**

iii. विप्लवी बादल की युद्ध-नौका की कौन-कौन-सी विशेषताएँ बताई गई है? बादल राग के अनुसार बताइए। **[2]**

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मैं सोचता हूँ कि पुराने की यह अधिकार-लिप्सा क्यों नहीं समय रहते सावधान हो जाती? जरा और मृत्यु, ये दोनों ही जगत के अतिपरिचित और अतिप्रामाणिक सत्य हैं। तुलसीदास ने अफसोस के साथ इनकी सचाई पर मुहर लगाई थी- 'धरा को प्रमान यही तुलसी जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना!' मैं शिरीष के फूलों को देखकर कहता हूँ कि क्यों नहीं फलते ही समझ लेते बाबा कि झड़ना निश्चित है। सुनता कौन है? महाकालदेवता सपासप कोड़े चला रहे हैं, जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं, जिनमें प्राणकण थोड़ा भी ऊँध्र्वमुखी है, वे टिक जाते हैं। दुरंत प्राणधारा और सर्वव्यापक कालाग्नि का संघर्ष निरंतर चल रहा है। मूर्ख समझते हैं कि जहाँ बने हैं, वहीं देर तक बने रहें तो शायद कालदेवता की आँख से बच जाएँगे। भोले हैं वे। हिलते-डुलते रहो, स्थान बदलते रहो, आगे की ओर मुँह किए रहो तो कोड़े की मार से बच भी सकते हो। जमे कि मरे। (हजारी प्रसाद द्विवेदी)

i. किसके अनुसार नए के आने पर पुराने को जाने का अधिकार होता है?

क) कालिदास के　　ख) वात्स्यायन के

ग) लेखक के　　घ) तुलसीदास के

ii. लेखक के अनुसार जगत के अतिपरिचित और अतिप्रामाणिक सत्य क्या हैं?

क) अमृत और विष　　ख) सुख और दुःख

ग) प्राचीन और नवीन　　घ) जरा और मृत्य

iii. **जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना** यह पंक्ति किसने कही थी?

क) लेखक ने　　ख) तुलसीदास ने

ग) वाल्मीकि ने　　घ) कालिदास ने

iv. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A): जरा और मृत्यु इस जगत के अप्रामाणिक सत्य हैं।

कारण (R): महाकाल के सामने सभी झड़ने लगते हैं।

क) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।　　ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।　　घ) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

v. गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

i. तुलसीदास कहते हैं कि जो जलेगा वह बुझेगा भी।

ii. प्राणधारा और काल का संघर्ष निरंतर नहीं चलता है।

iii. जरा और मृत्यु इस जगत के प्रामाणिक सत्य हैं।

उपरिलिखित कथनों में से कौन सही है/हैं?

क) ii और iii　　ख) i और iii

ग) i और ii　　घ) सभी विकल्प सही हैं

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

i. **पहलवान की ढोलक** के आधार पर साधनहीन ग्रामीणों के जीवन पर टिप्पणी कीजिए। **[3]**

ii. **भक्तिन** पाठ में **पहली कन्या के दो संस्करण** जैसे प्रयोग लेखिका के खास भाषाई संस्कार की पहचान कराता है, साथ ही ये प्रयोग कथ्य को संप्रेषणीय बनाने में भी मददगार हैं। वर्तमान हिंदी में भी कुछ अन्य प्रकार की शब्दावली समाहित हुई है। नीचे कुछ वाक्य दिए जा रहे हैं जिससे वक्ता की खास पसंद का पता चलता है। आप वाक्य पढ़कर बताएँ कि इमें किन तीन विशेष प्रकार की शब्दावली का प्रयोग हुआ है? इन शब्दावलियों या इनके अतिरिक्त अन्य किन्हीं विशेष शब्दावलियों का प्रयोग करते हुए आप भी कुछ वाक्य बनाएँ और कक्षा में चर्चा करें कि ऐसे प्रयोग भाषा की समृद्धि में कहाँ तक सहायक है? **[3]**

-अरे! उससे सावधान रहना! वह नीचे से ऊपर तक वायरस से भरा हुआ है। जिस सिस्टम में जाता है उसे हैंग कर देता है।

-घबरा मत! मेरी इनस्वींगर के सामने उसके सारे वायरस घुटने टेकेंगे। अगर ज़्यादा फ़ाउल मारा तो रेड कार्ड दिखा के हमेशा के लिए पवेलियन भेज दूँगा।

-जानी टेंसन नई लेने का वो जिस स्कूल में पढ़ता है अपुन उसका हैडमास्टर है।

iii. श्रम विभाजन की दृष्टि से भी जातिप्रथा गंभीर दोषों से युक्त है। स्पष्ट करें। **[3]**

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

i. विभिन्न परिस्थितियों में भाषा का प्रयोग भी अपना रूप बदलता रहता है कभी औपचारिक रूप में आती है, तो कभी अनौपचारिक रूप में। **बाज़ार दर्शन** पाठ में से दोनों प्रकार के तीन-तीन उदाहरण छाँटकर लिखिए। **[2]**

ii. मेंढक मंडली पर पानी डालने को लेकर लेखक धर्मवीर भारती और जीजी के विचारों में क्या भिन्नता थी? **[2]**

iii. जाति-प्रथा भी श्रम विभाजन का ही दूसरा रूप है, इसलिए इसमें कोई बुराई नहीं है। जाति-प्रथा के पोषकों के इस तर्क में क्या आपत्तिजनक है? **श्रम विभाजन और जाति-प्रथा** पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **[2]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[10]**

i. यशोधर बाबू अपने जीवन के आस-पास हो रहे परिवर्तनों के साथ तालमेल बिठाने में क्या कठिनाई महसूस कर रहे थे और क्यों? **[5]**

ii. **जूझ** नामक पाठ के आधार पर दत्ता जी राव के चरित्र की चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। **[5]**

iii. **डायरी के पन्ने** पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि ऐन फ्रैंक बहुत प्रतिभाशाली तथा परिपक्व थी? **[5]**

उत्तर

खंड क (अपठित बोध)

1. i. घ) चुनौती को पूरा करने पर
   ii. क) 'यू द हीलर'
   iii. क) केवल कथन (II), (III) और (IV) सही हैं।
   iv. दबाव में व्यक्ति नकारात्मक होकर अपना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य खो बैठता है।
   v. दबाव को ताक़त बनाने के लिए व्यक्ति को यह सोचना चाहिए कि वह सौभाग्यशाली है जो एक कठिन चुनौती को पूरा करने के लिए तत्पर है। उसे समस्या पर ध्यान केंद्रित करने की बजाय अपनी शक्तियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
   vi. जोस सिल्वा के अनुसार मन मस्तिष्क को चलाता है और मस्तिष्क शरीर को। इस प्रकार शरीर मन के आदेश का पालन करता हुआ काम करता है।
   vii. दबाव में सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को अपने दिमाग़ को सकारात्मक सोच पर केंद्रित करना चाहिए और अपनी बेहतरीन क्षमताओं को जागृत करने के लिए समस्याओं की बजाय अपनी शक्तियों पर ध्यान देना चाहिए।
2. i. ख) कथन I, II और IV सही हैं।
   ii. ख) परिश्रम और साहस
   iii. क) I - (1), II - (2), III - (3)
   iv. कुंती पुत्र कहलाने की अपेक्षा स्वयं की पहचान को महत्त्व देना।
   v. कौरवों द्वारा आश्रय दिए जाने के कारण कर्ण द्वारा उन्हें बचाने का संकल्प करना
   vi. 'जिस नर की बाँह गही मैंने, जिस तक की छाँह गही मैंने' का तात्पर्य है कि कवि ने जिस व्यक्ति का साथ देने का निर्णय लिया है, उसे वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जीवन भर निभाएगा। वह उसकी रक्षा करेगा और उसके लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने को तैयार रहेगा।

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।

(i) जब खेतों में तैयार फसल का अचानक बाढ़ में बह जाता है, तो यह खेती के लिए एक बड़ी समस्या बन जाती है। बाढ़ वर्षा के कारण पानी की अत्यधिक आपूर्ति को संकेत करती है और फसल को नुकसान पहुंचाती है। यह खेतों में उगाई गई फसल को पुरी तरह नष्ट कर सकती है, जिसके परिणामस्वरूप किसानों को आर्थिक नुकसान होता है। इस अवस्था में, किसानों को तत्परता के साथ काम करने की आवश्यकता होती है। वे जल्दी से उचित उपायों को ढूंढ़कर अपनी फसल की सुरक्षा करने का प्रयास करते हैं। वैज्ञानिक तथा कृषि निदेशालय से मदद लेते हुए, वे द्रुत उपयुक्त विधियों का उपयोग करके अधिक नुकसान से बचने का प्रयास कर सकते हैं। इसके अलावा, किसानों को अनुभवी सलाहकारों और विपणन संगठनों से मदद मिल सकती है, जो उन्हें फसल सुरक्षा के लिए सही बीमा योजनाओं और अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी और सहायता प्रदान कर सकते हैं।

(ii) **देश का विकास**

एक राष्ट्र का विकास उसकी प्रगति, समृद्धि, और सामरिक व सांस्कृतिक महत्व की प्रामाणिक प्रतिबिंबिति है। विकास न केवल आर्थिक और तकनीकी उन्नति का संकेत होता है, बल्कि जनसंख्या, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, न्याय, सुरक्षा, और सामरिक बल क्षेत्र में भी स्थिरता और प्रगति को संकेत करता है।

देश का विकास एक समर्पित सामाजिक, राजनीतिक, और आर्थिक प्रणाली की अवश्यकता पर आधारित है। शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, और उद्योग के विकास के माध्यम से आर्थिक स्वतंत्रता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। साथ ही, सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण, गरीबी निवारण, जल-वायु संरक्षण, स्वच्छता अभियान, और सामरिक बल की मजबूती को गतिशील बनाना आवश्यक है।

देश का विकास सभी नागरिकों के सहयोग और संयम पर निर्भर करता है। सरकार, नागरिक समुदाय, व्यापारी, सामाजिक संगठन, और शैक्षिक संस्थान सभी मिलकर देश के विकास के लिए संघर्ष करने के लिए समर्पित रहने चाहिए। इससे हम एक समृद्ध, स्वतंत्र, और गरिमामय देश की नींव रख सकते हैं, जो अपने नागरिकों को सम्मान, सुरक्षा, और उन्नति की संभावनाएं प्रदान करता है।

(iii)"बचत" शब्द सुनते ही हम सबके मानस पटल पर एक कंजूस व्यक्ति की छवि उभरती है। परंतु बचत का मतलब कंजूस होना नहीं है, बल्कि यह एक बुद्धिमानी भरा निर्णय है जो भविष्य में बड़े-बड़े सुख प्रदान करता है। आज की छोटी बचत कल का बड़ा सुख कैसे बन सकती है, यह समझने के लिए निम्नलिखित उदाहरणों पर विचार करें:

- **आपातकालीन स्थिति:** आपातकालीन स्थिति, जैसे कि नौकरी छूटना या बीमारी, में बचत के होने से आप आर्थिक रूप से सुरक्षित रह सकते हैं।
- **बड़ी खरीदारी:** बचत करने पर आप घर, कार या अन्य बड़ी खरीदारी के लिए भुगतान कर सकते हैं।
- **शिक्षा और यात्रा:** यदि आप बचत करते हैं, तो अपनी शिक्षा या यात्रा के खर्चों को स्वयं वहन कर सकते हैं।
- **सेवानिवृत्ति:** यदि आप बचत करते हैं, तो अपनी सेवानिवृत्ति के लिए धन जमा कर सकते हैं और अपनी पसंद के अनुसार जीवन जी सकते हैं।

बचत शुरू करने के लिए, आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। अपनी आय और खर्चों का रिकॉर्ड रखें और अनावश्यक खर्चों को कम करें। आप नियमित रूप से बचत कर सकते हैं, जैसे कि अपनी तनख्वाह का एक प्रतिशत बचाना या हर महीने एक निश्चित राशि बचाना। आजकल बचत करने के लिए विभिन्न योजनाएँ जैसे कि बैंक डिपॉजिट, म्यूचुअल फंड या सरकारी योजनाएं मौजूद हैं जिनमें आप अपनी

आवश्यकतानुसार निवेश कर सकते हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि बचत एक धीमी प्रक्रिया है। लेकिन धीरे-धीरे और लगातार बचत करके आप बड़े लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। आज की छोटी बचत कल आपको बड़ा सुख और आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर सकती है। इसलिए, आज से ही बचत शुरू करें और एक बेहतर भविष्य की ओर कदम बढ़ाएं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)

(i) अज्ञेय, रघुवीर सहाय, धर्मवीर भारती, श्याम मनोहर जोशी, राजेन्द्र माथुर, प्रभाष जोशी, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, सुरेन्द्र प्रताप सिंह आदि।

(ii) संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित होने वाले संपादकीय को उस अखबार की अपनी आवाज माना जाता है। संपादकीय के जरिए अखबार किसी घटना समस्या या मुद्दे के प्रति अपनी राय प्रकट करते हैं। संपादकीय किसी भी अखबार की नीति निर्माताओं के विचारों का दर्पण होता है। संपादकीय लेखन किसी व्यक्ति विशेष की राय नहीं होती अतः उसे किसी के नाम के साथ नहीं छापा जाता।

(iii) नाटक लिखते समय यह जानना जरूरी है कि उसमें जो चरित्र प्रस्तुत किए जाएँ वे सपाट, सतही और टाइप्ड न हों। नाटक की कहानी में चरित्रों के विकास में इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि वे स्थितियों के अनुसार अपनी क्रियाओं- प्रतिक्रियाओं को व्यक्त करते चलें। नाटककार अपने कथानक के माध्यम से जो कुछ भी कहना चाहता है उसे अपने चरित्रों और उनके बीच होने वाले संवादों से ही अभिव्यक्त करता है। लेकिन ऐसा कभी नहीं लगना चाहिए कि वह पहले से ही अपने निश्चित विचारों को मात्र शब्दों के माध्यम से व्यक्त कर रहा है। ऐसी स्थिति में नाटक-नाटक न रहकर सिर्फ़ शब्दों के रूप में विचारों का एक पुंज-सा होकर रह जाता है। हमें यह याद रखना चाहिए कि इन शब्दों को बोलने वाला पात्र मंच पर सचमुच हाड़-माँस से युक्त प्राणी है। संवाद जितने सहज और स्वाभाविक होंगे, उतना ही वे दर्शक के मर्म को छुएँगे। यहाँ स्वाभाविक होने का आशय भाषा की सरलता से नहीं है।

(iv) कवि ने सिल और स्लेट के रंग की समानता आकाश के रंग से की है। भोर के समय का आकाश का रंग गहरा नीला-काला होता है और उसमें थोड़ी-थोड़ी सूर्योदय की ललिमा मिली हुई है। वह सिल और स्लेट के रंग जैसी लग रही है।

(v) बाजारुपन से तात्पर्य ऊपरी चमक-दमक से है। जब सामान बेचने वाले बेकार की चीजों को आकर्षक बनाकर मनचाहे दामों में बेचने लगते हैं, तब बाज़ार में बाजारुपन आ जाता है,इसके अलावा धन को दिखावे की वस्तु मान कर व्यर्थ में उसका दिखावा करने वाले ग्राहक भी बाजार में बाजारूपन लाने में सहायक होते हैं।

जो विक्रेता, ग्राहकों का शोषण नहीं करते और छल-कपट से ग्राहकों को लुभाने का प्रयास नहीं करते साथ ही जो ग्राहक अपनी आवश्यकताओं की चीजें खरीदते हैं वे बाजार को सार्थकता प्रदान करते हैं। इस प्रकार विक्रेता और ग्राहक दोनों ही बाज़ार को सार्थकता प्रदान करते हैं। मनुष्य की आवश्यकताओं की ज्यादा से ज्यादा पूर्ति करने में ही बाजार की सार्थकता है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (4 X 2 = 8)

(i) किसी भी समाचार पत्र में कारोबार और अर्थ जगत से जुड़ी खबरों के लिए अलग से एक पृष्ठ होता है कुछ समाचार पत्रों में आर्थिक खबरों के लिए दो पृष्ठ होते हैं यह कहना गलत नहीं होगा किअगर समाचार पत्र में अगर आर्थिक और खेल के पृष्ठ न हो तो वह समाचारपत्र सम्पूर्ण नहीं माना जाएगा।

(ii) फीचर लेखन का विषय विस्तृत और विविध हो सकता है। यह सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, या किसी भी अन्य विषय पर आधारित हो सकता है। फीचर लेखन का मुख्य उद्देश्य पाठक को जानकारी प्रदान करना और उस विषय के प्रति पाठक के मन में रुचि पैदा करना होता है।

एक अच्छे और रोचक फीचर की विशेषताएँ-

- **विषय:** विषय रोचक और प्रासंगिक होना चाहिए।
- **शोध:** विषय पर गहन शोध और जानकारी का होना ज़रूरी है।
- **शैली:** लेखन शैली सरल, रोचक और प्रभावशाली होनी चाहिए।
- **भाषा:** भाषा सरल, सहज और बोधगम्य होनी चाहिए।
- **संरचना:** लेख की संरचना व्यवस्थित और आकर्षक होनी चाहिए।
- **तथ्य:** सभी तथ्य सटीक और प्रामाणिक होने चाहिए।
- **उदाहरण:** उदाहरणों का प्रयोग लेख को रोचक और प्रभावशाली बनाने में मदद करता है।
- **विश्लेषण:** विषय का गहन विश्लेषण और व्याख्या होना ज़रूरी है।
- **निष्कर्ष:** लेख का निष्कर्ष प्रभावशाली और विचारोत्तेजक होना चाहिए।

(iii) संस्कृत साहित्य में शिरीष के फूल को बहुत कोमल माना गया है। इसके फूल बहुत नाज़ुक होते हैं। वे केवल भौंरों के पदों का भार ही सहन कर सकते हैं, पक्षियों के पैरों का भी नहीं।

खंड- ग (आरोह भाग - 2 एवं वितान भाग-2 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

छतों के खतरनाक किनारों तक-
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत
पतंगों की धड़कती उँचाइयाँ उन्हें थाम लेती हैं महज
एक धागे के सहारे
पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं
अपने रंध्रों के सहारे

(i) **(ख)** छतों से
व्याख्या:

छतों से

(ii) **(ग)** निडर
व्याख्या:
निडर

(iii) **(ग)** पैरों की गतिशीलता
व्याख्या:
पैरों की गतिशीलता

(iv) **(ग)** निडर बच्चे
व्याख्या:
निडर बच्चे

(v) **(ग)** बच्चों की क्रियाशीलता एवं उत्साह की कोई सीमा नहीं होती
व्याख्या:
बच्चों की क्रियाशीलता एवं उत्साह की कोई सीमा नहीं होती

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) इसका अर्थ है कि जब तक कवि के मन में कविता का मूल भाव पूर्णतया समा नहीं जाता, तब तक निजता से मुक्त नहीं हो सकता। कविता तभी सफल मानी जाती है, जब वह समग्र मानव जाति की भावना को व्यक्त करती है। कविता को सार्वजनिक बनाने के लिए कवि का अहंकार नष्ट होना आवश्यक है।

(ii) **किसबी, किसान-कुल** छंद के आधार पर पेट की आग की विशालता और भयावहता को तुलसीदास ने इस प्रकार प्रकट किया है कि आर्थिक स्थिति खराब होने की दशा में लोग अपनी भूख मिटाने के लिए पाप-कर्म करने लग गए थे। ऐसे में आम लोग श्रीराम की भक्ति को ही अपना अंतिम सहारा मान रहे थे।

(iii)आधुनिक युग में कविताओं में संभावनाएँ-

i. अभिव्यक्ति को सहज और सुंदर रूप से व्यक्ति करना।
ii. कविताओं को यथार्थ से और भी समीप से जोड़ना।
iii. कविता की भाषा शैली और शिल्प शैली में बदलाव करना।
iv. कविता में अलंकारों और छंदों के स्वरूप में नए बदलाव।
v. विषय वस्तु में परिवर्तन।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) i. तुलसी द्वारा कृत एक रचना-
जानि सरद रितु खंजन आए।
पाइ समय जिमि सुकृत सुहाए।
ii. जायसी द्वरा कृत रचना का एक भाग-
भइ निसि, धनि जस ससि परगसी । राजै-देखि भूमि फिर बसी॥
भइ कटकई सरद-ससि आवा । फेरि गगन रवि चाहै छावा॥

तुलसीदास जी ने शरत ऋतु में खंजन पक्षी का वर्णन किया है और जायसी ने शरद ऋतु के समय चाँद तथा रात का वर्णन किया है। पतंग कविता में जहाँ सुबह का वर्णन मिलता है, वहीं इस ऋतु में पतंग उड़ाते बच्चों की बालसुलभ ऊँचाइयों को छूने की भावनाओं का सुन्दर दृश्य दृष्टिगोचर होता है। तीनों की कविता में अलग-अलग वर्णन हैं।
(छात्र विद्यालय में इस विषय में और बात करें।)

(ii) पताः 276/45,
राज नगर, पालम
दिनाँकः ०६-फरवरी-२०२०
सेवा में,
निदेशक,
दूरदर्शन,
आकाशवाणी मार्ग
नई दिल्ली।
विषयः डी.डी.वन में बुधवार दिनाँक ..... को प्रसारित होने वाला कार्यक्रम पर दुख जताते हुए शिकायती पत्र।
महोदय/महोदया,
मैं प्रतिदिन दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले सांयकालीन 'विकलांग व्यक्तित्व' कार्यक्रम का दर्शक हूँ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक था। इसमें एक अपंग व्यक्ति का साक्षात्कार लिया गया था। आपके इस कार्यक्रम को देखकर हमें बहुत दुख हुआ। इसमें अपंग व्यक्ति के साथ कार्यक्रम के संचालक ने जिस प्रकार का व्यवहार किया वह निंदनीय था। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि संचालक ने जान-बूझकर करुणापूर्ण शब्द बोलकर उसकी अपंगता का फायदा उठाने का प्रयास किया है। इसके अतिरिक्त ऐसा जान पड़ रहा था कि संचालक व्यक्ति को बोलने ही नहीं दे रहे थे,

बस अपनी बात कहने में उन्हें दिलचस्पी थी। यह एक प्रकार से शोषण सा प्रतीत हो रहा था।
आपसे विनम्र निवेदन है कि इस प्रकार के कार्यक्रम को रोक लगाएँ जाएँ ताकि भविष्य में अन्य व्यक्ति के साथ इस प्रकार का शोषण न हो।
भवदीय
गिरीश सिंह केसरी

(iii)'बादल राग' कविता में कवि ने विप्लवी बादल की युद्ध-नौका की निम्नलिखित विशेषताएँ बताई हैं-

i. यह समीर-सागर में तैरती है।
ii. यह भेरी-गर्जन से सजग है।
iii. इसमें ऊँची आकांक्षाएँ भरी हुई हैं।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

मैं सोचता हूँ कि पुराने की यह अधिकार-लिप्सा क्यों नहीं समय रहते सावधान हो जाती? जरा और मृत्यु, ये दोनों ही जगत के अतिपरिचित और अतिप्रामाणिक सत्य हैं। तुलसीदास ने अफसोस के साथ इनकी सचाई पर मुहर लगाई थी- 'धरा को प्रमान यही तुलसी जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना!' मैं शिरीष के फूलों को देखकर कहता हूँ कि क्यों नहीं फलते ही समझ लेते बाबा कि झड़ना निश्चित है। सुनता कौन है? महाकालदेवता सपासप कोड़े चला रहे हैं, जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं, जिनमें प्राणकण थोड़ा भी ऊँध्र्वमुखी है, वे टिक जाते हैं। दुरंत प्राणधारा और सर्वव्यापक कालाग्नि का संघर्ष निरंतर चल रहा है। मूर्ख समझते हैं कि जहाँ बने हैं, वहीं देर तक बने रहें तो शायद कालदेवता की आँख से बच जाएँगे। भोले हैं वे। हिलते-डुलते रहो, स्थान बदलते रहो, आगे की ओर मुँह किए रहो तो कोड़े की मार से बच भी सकते हो। जमे कि मरे। (हजारी प्रसाद द्विवेदी)

(i) **(घ)** तुलसीदास के
व्याख्या:
तुलसीदास के

(ii) **(घ)** जरा और मृत्य
व्याख्या:
जरा और मृत्य

(iii) **(ख)** तुलसीदास ने
व्याख्या:
तुलसीदास ने

(iv) **(ग)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
व्याख्या:
कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(v) **(ख)** i और iii
व्याख्या:
i और iii

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) पहलवान की ढोलक, कहानी फणीश्वर नाथ रेणु जी द्वारा लिखी गयी प्रसिद्ध कहानी है। इस कहानी में लेखक ने अपने गाँव एवं संस्कृति को सजीव कर दिया है। ऐसा लगता है कि मानों हरेक पात्र वास्तविक जीवन जी रहा है। पाठ में मलेरिया और हैजे से पीड़ित गाँव की दयनीय स्थिति का चित्रण किया गया है। गाँव में महामारी ने पाँव पसार लिए थे। चारों ओर मौत का भयानक तांडव फैला था। सियारों का क्रंदन और चेचक की डरावनी आवाज़ कभी-कभी निस्तब्धता को अवश्य भंग कर देती थी। गाँव की झोपड़ियों से कराहने की आवाज़, 'हरे राम, हे भगवान! की टेर अवश्य सुनाई पड़ती थी। बच्चे कभी-कभी निर्बल कंठों से माँ-माँ पुकारकर रो पड़ते थे। महामारी फैलने पर गाँव में चिकित्सा और देखरेख के अभाव में ग्रामीणों की दशा दयनीय हो जाती थी। लोग दिन भर खाँसते कराहते रहते थे। रोज दो-चार व्यक्ति मरते थे। दवाओं के अभाव में उनकी मृत्यु निश्चित थी। शरीर में शक्ति नहीं रहती थी। पहलवान की ढोलक मृतप्राय शरीरों में आशा व जीवंतता भरती थी। वह संजीवनी शक्ति का कार्य करती थी।

(ii) -पहले वाक्य में वायरस, सिस्टम तथा हैंग अंग्रेज़ी भाषा के शब्द हैं।
-इनस्वींगर, वायरस, फ़ाउल, रेड कार्ड पवेलियन अंग्रेज़ी भाषा के शब्द हैं।
-जानी, टेंसन अंग्रेज़ी भाषा के शब्द हैं। हैडमास्टर में 'हैड' अंग्रेज़ी भाषा का शब्द है तथा मास्टर हिन्दी भाषा का। 'अपुन' शब्द मुम्बइया भाषा में प्रयोग में लाया जाता है।
इस प्रकार के शब्द भाषा को रोचक बना देते हैं। बोलने तथा सुनने वाले दोनों को समझ में आता है। अंग्रेज़ी तथा अन्य भाषा के शब्द हिन्दी में रच-बस गए हैं। इनसे भाषा की व्यापकता बढ़ती है। भाषा समृद्ध होती है। हिन्दी में तो ऐसे शब्दों की भरमार है। यही कारण है कि आज यह विश्व में तीसरे स्थान में सबसे अधिक बोले जाने वाली भाषा है। कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं।-

i. रेलगाड़ी चल रही है। (इस वाक्य में रेल अंग्रेज़ी का शब्द है और गाड़ी हिन्दी का।)
ii. मुझे कोल्ड हो रहा है। डॉक्टर के पास जाकर चैकअप करवा आता हूँ। (इस वाक्य में कोल्ड, डॉक्टर तथा चैकअप अंग्रेज़ी शब्द हैं।)
iii. वह ट्रेन से उतरा और बस स्टैंड पहुँच गया।(इस वाक्य में ट्रेन तथा स्टैंड अंग्रेज़ी शब्द हैं।)

(iii)**लेखक कहता है कि श्रम विभाजन की दृष्टि से भी जातिप्रथा दोषों से युक्त है। इस विषय में लेखक निम्नलिखित तर्क देता है –**

- जातिप्रथा का श्रम विभाजन मनुष्य की इच्छा से नहीं होता।

- जाति प्रथा में श्रम विभाजन के साथ साथ श्रमिकों का भी विभाजन किया जाता है।
- यह प्रथा समाज के सदस्यों को ऊंच-नीच वर्गों में बाँट देती है।
- मनुष्य की व्यक्तिगत भावना तथा व्यक्तिगत रुचि का इसमें कोई स्थान अथवा महत्त्व नहीं रहता।
- जातिप्रथा के कारण मनुष्य में दुर्भावना से ग्रस्त रहकर टालू काम करने वे कम काम करने की भावना उत्पन्न होती है
- जातिप्रथा के कारण श्रम विभाजन होने पर निम्न कार्य समझे जाने वाले कार्यों को करने वाले श्रमिक को भी हिंदू समाज घृणित व त्याज्य समझता है।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) औपचारिक भाषा-

i. मूल में एक और तत्त्व की महिमा सविशेष है।
ii. इस सिलसिले में एक और भी महत्त्व का तत्त्व है।
iii. मेरे यहाँ कितना परिमित है और यहाँ कितना अतुलित है।

अनौपचारिक भाषा-

i. पैसा पावर है।
ii. बाजार में एक जादू है।
iii. नहीं कुछ चाहते हो, तो भी देखने में क्या हरज़ है।

(ii) मेंढक मंडली पर पानी डालने को लेकर लेखक का विचार था कि यह पानी की घोर बबांदी है। भीषण गर्मी में जब पानी पीने को नहीं मिलता हो तो दूर-दराज से लाए गए पानी को इस मंडली पर फेंकना देश के संसाधनों का नुकसान है। इसके विपरीत जीजी इसे पानी की बुवाई मानती हैं। वे कहती हैं कि सूखे के समय अगर हम अपने घर का पानी इंदर सेना पर फेंकते हैं, तो यह भी एक प्रकार की बुवाई है। यह पानी गलियों में बोया जाता है जिसके बदले में गाँव, शहर, कस्बों में बादलों की फसल आ जाती है।

(iii) श्रम विभाजन और जाति-प्रथा के पाठ के आधार पर, श्रम विभाजन गरीबी, असामाजिकता और आर्थिक असमानता का कारण बनता है, जबकि जाति-प्रथा समाज में भेदभाव और उत्पीड़न को बढ़ावा देती है। जाति-प्रथा के पोषकों का तर्क सामाजिक न्याय और समानता के मूल्यों के खिलाफ है, जिसके कारण यह आपत्तिजनक हो सकता है। श्रम विभाजन को समानता और सामाजिक न्याय के माध्यम से सुधारने की आवश्यकता होती है, जबकि जाति-प्रथा को समाजिक बदलाव और जागरूकता के माध्यम से दुर करना चाहिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) यशोधर बाबू अपने जीवन के आस-पास हो रहे परिवर्तनों के साथ तालमेल बिठाने में निम्नलिखित कठिनाई महसूस कर रहे थे-

- परंपरावादी होने के कारण विचारों का टकराव,
- बच्चों की रहन-सहन और जीवन-शैली से असंतुष्ट,
- रूढ़िवादी होने के कारण परिवार के सदस्यों की वेशभूषा और बनाव-श्रृंगार आदि को नापसंद करना और
- अत्यधिक आदर्शवादी होने के कारण उपहास का पात्र बनना इत्यादि।

क्योंकि यशोधर बाबू एक तरह के द्वंद्व से गुज़र रहे थे, जिसके कारण नया परिवेश उन्हें कभी-कभी खींचता तो है, पर वे पारंपरिक विचारधारा से कभी निकलते भी नहीं। वास्तव में, यशोधर बाबू जीवन में नए और पुराने के द्वंद्व में फंस गए हैं।

(ii) 'जूझ' नामक पाठ के आधार पर दत्ताजी राव के चरित्र की चार विशेषताएँ-

- समझदार और व्यावहारिक व्यक्ति हैं। विशेष करके महिलाओं और बच्चों के प्रति अच्छा व्यवहार रखते हैं।
- उदार और नेकदिल हैं,
- तर्कशील हैं,
- बच्चों की शिक्षा के हिमायती हैं।

(iii) ऐन फ्रैंक की प्रतिभा और धैर्य का परिचय हमें उसकी डायरी से मिलता है। उसमें किशोरावस्था की झलक कम और सहज शालीनता अधिक देखने को मिलती है। ऐन ने अपने स्वभाव और अवस्था पर नियंत्रण पा लिया था। उसकी अवस्था के अन्य किसी बच्चे में इतनी परिपक्वता देखने को नहीं मिलती। वह एक सकारात्मक, परिपक्व और सुलझी हुई सोच के साथ आगे बढ़ रही थी। उसमें कमाल की सहनशक्ति थी। अनेक बातें जो उसे बुरी लगती थीं, उन्हें वह शालीन चुप्पी के साथ बड़ों के सम्मान करने के लिए सहन कर जाती थी।

पीटर के प्रति अपने अंतरंग भावों को भी वह सहेज कर केवल डायरी में व्यक्त करती थी। अपनी इन भावनाओं को वह किशोरावस्था में भी जिस मानसिक स्तर से सोचती थी वह वास्तव में सराहनीय है। परिपक्व सोच का ही परिणाम था कि वह अपने मन के भाव, उद्गार, विचार आदि डायरी में ही व्यक्त करती थी। यदि ऐन में ऐसी सधी हुई परिपक्वता न होती तो हमें युद्ध काल की ऐसी दर्द भरी कहानी पढ़ने को नहीं मिल सकती थी।